Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

व्यवसाय अध्ययन

व्यावसायिक संगठन, वित्त एवं व्यापार - 2

अध्याय - 8 : व्यावसायिक वित्त के स्त्रोत

भाग –

अभ्यास प्रश्न - II

रूचिका सैनी

Under CSR Support by ipca Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. व्यापारिक साख एवं बैंक साख को व्यावसायिक इकाइयों के अल्प अवधि वित्त के स्त्रोत के रूप में समझाइए।

→ व्यापार से संबंधित
→ व्यापारी की साख
→ अल्प समय में वित्त उपलब्धता
→ सुनिश्चित
→ मौसमी मांग

बैंक से संबंधित
जमानत के आधार
तीसरे स्थिति की जाँच

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. व्यापारिक साख एवं बैंक साख को व्यावसायिक इकाइयों के अल्प अवधि वित्त के स्त्रोत के रूप में समझाइए।

उत्तर : अल्प अवधि वित्त वह होता है जिसकी आवश्यकता व्यवसाय को रोजमर्रा के कार्यों जैसे कच्चे माल की खरीद, वेतन, किराया, टैक्स आदि के लिए होती है। इस वित्त की पूर्ति के लिए व्यापारिक साख एवं वाणिज्यिक बैंक प्रमुख स्रोत हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



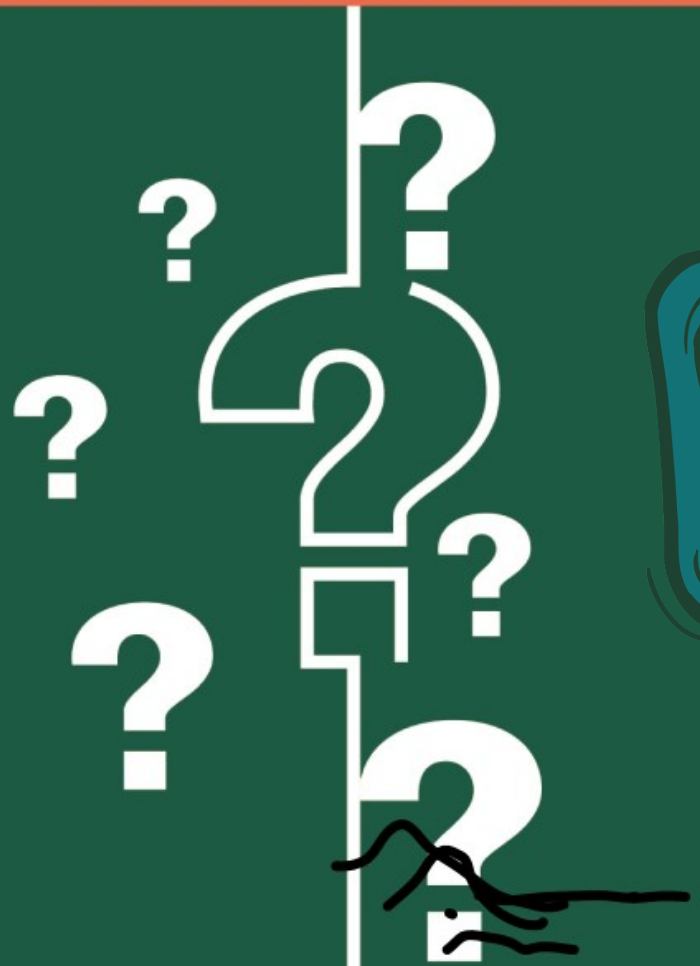
(क) व्यापारिक साख :

- व्यापारिक साख वह उधार सुविधा है जिसमें एक व्यापारी दूसरे व्यापारी को बिना तत्काल भुगतान के वस्तु या सेवा प्रदान करता है।
- यह साख उन्हीं ग्राहकों को दी जाती है जिनकी साख मजबूत हो।
- यह व्यवसाय के लिए सुविधाजनक, निरंतर और त्वरित कोष का स्रोत है।
- इससे कंपनी बिना अतिरिक्त ब्याज या संपत्ति गिरवी रखे अल्पकालिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- यह मौसमी मांग या तात्कालिक आवश्यकता की स्थिति में अत्यंत उपयोगी होती है।

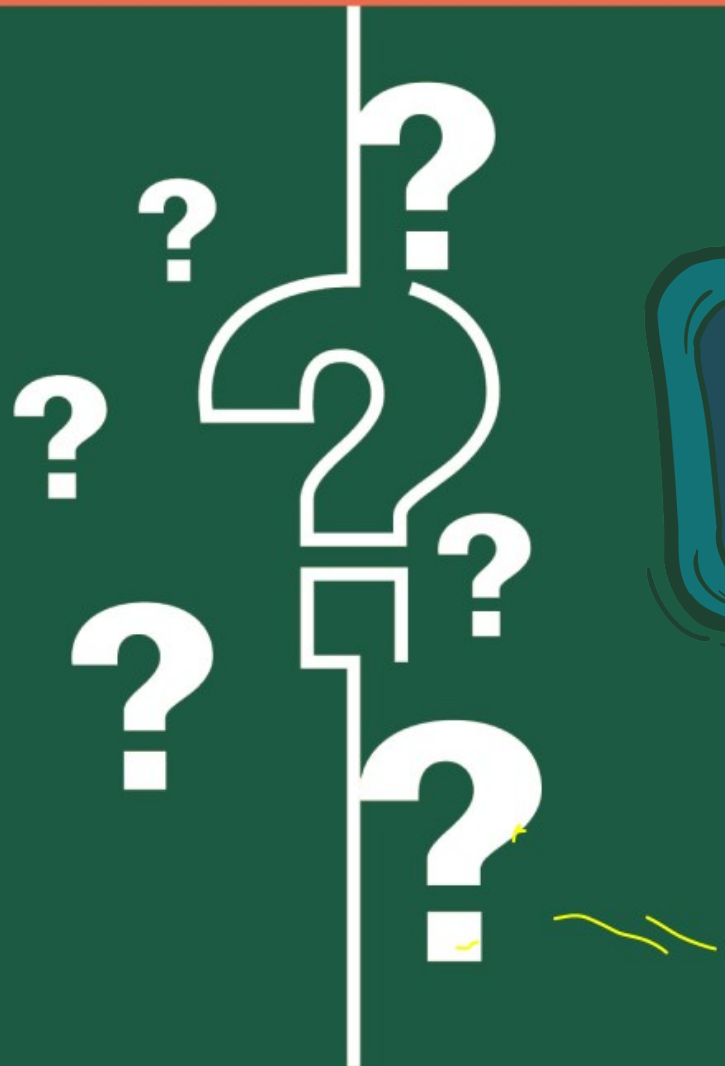
(ख) वाणिज्यिक बैंक :

- बैंक व्यवसाय को अल्पकालिक ऋण नकद, अधिविकर्ष, साख पत्र या ऋण सुविधा द्वारा प्रदान करते हैं।
- बैंक ऋण की स्वीकृति से पहले कंपनी की वित्तीय स्थिति, परिसंपत्तियों और जमानत की जांच करते हैं।
- बैंक साख गोपनीय होती है और ऋण को किश्तों में या एकमुश्त चुकाया जा सकता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- बैंक द्वारा उपलब्ध वित्त लचीला होता है और आवश्यकता अनुसार राशि को समायोजित किया जा सकता है।

निष्कर्ष :

व्यापारिक साख और बैंक साख, व्यवसाय की अल्प अवधि वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक हैं। व्यापारिक साख बिना ब्याज और बंधन के आती है, जबकि बैंक साख संस्थागत और संरचित होती है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2. आधुनिकीकरण एवं विस्तार के लिए वित्तीयन हेतु एक बड़ी औद्योगिक इकाई किन स्त्रोतों से पूँजी जुटा सकती है, उन पर चर्चा कीजिए।

(1) समता अंश पूँजी
(2) पूर्वाधिकारी अंश
(3) ऋण पत्र
(4) लीज वित्तीयन

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2. आधुनिकीकरण एवं विस्तार के लिए वित्तीयन हेतु एक बड़ी औद्योगिक इकाई किन स्त्रोतों से पूँजी जुटा सकती है, उन पर चर्चा कीजिए।

उत्तर : औद्योगिक इकाइयों के आधुनिककरण, विविधीकरण और विस्तार के लिए दीर्घ अवधि की पूँजी की आवश्यकता होती है। ऐसी पूँजी को निम्नलिखित स्रोतों से जुटाया जा सकता है:

(क) समता अंश पूँजी :

☛ यह कंपनी की स्वामीगत पूँजी होती है जिसे समता अंशों के निर्गमन द्वारा प्राप्त किया जाता है।

Under CSR Support by ipca Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- यह स्थायी पूँजी होती है और इसका कंपनी पर कोई ब्याज भार नहीं होता।
- इसका उपयोग व्यवसाय की दीर्घकालीन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जा सकता है।

(ख) पूर्वाधिकार अंश पूँजी :

- पूर्वाधिकार अंशधारकों को सिश्चित लाभांश और पूँजी वापसी में प्राथमिकता मिलती है।
- यह भी एक दीर्घ अवधि पूँजी का स्रोत है, विशेष रूप से उन निवेशकों के लिए जो कम जोखिम चाहते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

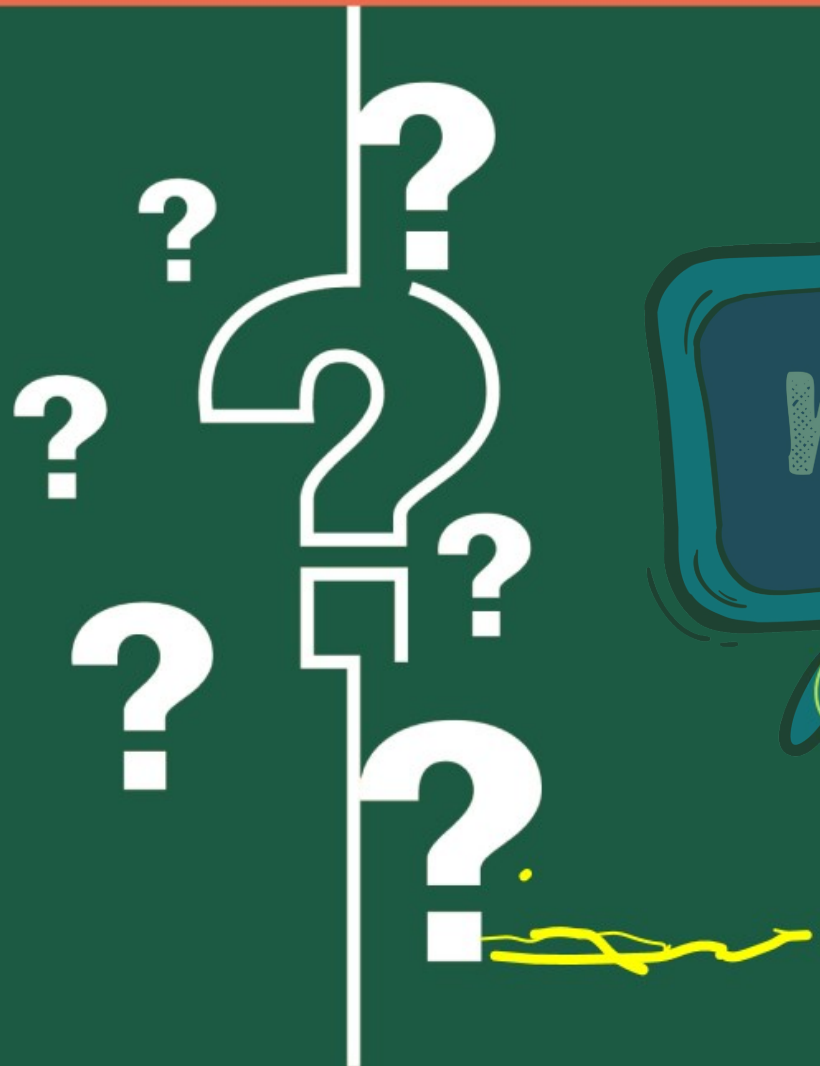


(ग) ऋण-पत्र :

- कंपनी निश्चित ब्याज दर पर ऋण-पत्र जारी कर पूँजी जुटा सकती है।
- ब्याज आय से घटाया जा सकता है जिससे कर लाभ मिलता है।
- इसमें निवेशक कंपनी के लेनदार होते हैं।

(घ) वित्तीय संस्थाएँ :

- सरकार द्वारा स्थापित संस्थान जैसे IFCI, IDBI आदि, औद्योगिक इकाइयों को लंबी अवधि के लिए ऋण प्रदान करते हैं।



- ये संस्थाएँ तकनीकी और प्रबंधकीय सलाह भी देती हैं।

(ङ) लीज वित्तीयन :

- कंपनियाँ महंगे उपकरण जैसे मशीनरी, कंप्यूटर आदि को खरीदने के बजाय लीज पर ले सकती हैं।
- इससे कम पूँजी निवेश में संपत्ति का उपयोग संभव होता है।

निष्कर्ष

एक बड़ी औद्योगिक इकाई उपरोक्त सभी स्त्रोतों से दीर्घ अवधि की पूँजी जुटाकर अपने विस्तार और आधुनिकीकरण की योजनाओं को सफल बना सकती है।